वार्षिक पत्रिका
अंक : 30 (2023)

प्रवाहिनी

राष्ट्रीय जलविज्ञान संस्थान

जलविज्ञान भवन

रुड़की – 247 667 (उत्तराखण्ड)

National Institute of Hydrology
राष्ट्रीय जल विज्ञान संस्थान
आपो हिष्टा मयोभुवः

वार्षिक पत्रिका
अंक : 30 (2023)

प्रवाहिनी

आपो हिष्टा मयोभुवः

राष्ट्रीय जलविज्ञान संस्थान
जलविज्ञान भवन
रुड़की – 247 667 (उत्तराखंड)

संरक्षक

डॉ. सुधीर कुमार

निदेशक, राष्ट्रीय जलविज्ञान संस्थान, रुड़की

संपादक मंडल

डॉ. सोबन सिंह रावत, वैज्ञानिक –'एफ' एवं राजभाषा प्रभारी

श्री प्रदीप कुमार उनियाल, वरिष्ठ अनुवाद अधिकारी

श्री पवन कुमार, वैयक्तिक सहायक

नोट : इस पत्रिका में संकलित विचार लेखकों के अपने हैं, राष्ट्रीय जलविज्ञान संस्थान एवं संपादक मण्डल का इनसे सहमत होना आवश्यक नहीं है।

अनुक्रमणिका

क्रमांक	विषय–वस्तु	पृष्ठ संख्या
1.	बांध भंग विश्लेषण और आपदा प्रबंधन योजना : आवश्यकता और उपयोग **डॉ. अनिल कुमार लोहनी**	01–13
2.	पुनर्मिलन **डॉ. अनिल शर्मा**	14–22
3.	अमृत सरोवर मिशन–तालाब एवं जल संरक्षण का महाअभियान **डॉ. अशोक कुमार तिवारी**	23–30
4.	राजभाषा हिंदी : नियम, अधिनियम एवं कार्यान्वयन संबंधी दिशा निर्देश **पुष्पेन्द्र कुमार अग्रवाल**	31–38
5.	विश्वबंधुत्व हेतु अंतर्राष्ट्रीय समन्वय की आवश्यकता **डॉ. रेखा जैन**	39–40
6.	तैरती खेती : जलवायु संकट से प्रभावित भूमिहीन समुदायों की आजीविका के लिए जलमग्न भूमि का उपयोग **डॉ. प्रविण रंगराव पाटील**	41–46
7.	सामाजिक एकता और समरसता भारत की पहचान **शशि कुमार सैनी**	47–48
8.	जल ही जीवन है : दिशा और दशा **ठाकुर मोहित**	49–56
9.	महासागर : जल एवं प्राकृतिक संपदा का अपार भंडार **राघव शलेन्द्र कुमार सिंह**	57–60
10.	भाषा की कक्षा में विज्ञान और वैज्ञानिक नज़रिया **मनोहर चमोली**	61–62
11.	आधुनिक ढंग से कृषि करता है आधुनिक किसान–बढ़ा है आर्गेनिक, खेती की ओर रूझान **डॉ. होशियार सिंह**	63–67
12.	भारतीय सामाजिक एवं वैदिक परम्पराओं में निहित विज्ञान **डॉ. दुर्गादत्त ओझा**	68–76
13.	समुद्र की गहराइयों में छिपे रहस्यों से उठेगा परदा **डॉ. विनोद गुप्ता**	77–79
14.	ओजोन परत क्षय एक गंभीर चुनौती **संजय गोस्वामी**	80–82

15. विलुप्त होती पुस्तक संस्कृति 83–87
किरण बाला

16. उत्तराखण्ड़ के विशिष्ट क्षेत्र जौनसार–बावर का धार्मिक एवं सामाजिक स्वरूप 88–91
सचिन प्रधान

17. हिंदी कब बनेगी राष्ट्रभाषा ? 92–94
डॉ. अनुभा गुप्ता

18. पर्वतीय तीर्थस्थलों पर प्रदूषक का बढ़ता संकट 95
नीलम जैन

19. जल संकट का हल 96
नीलम जैन

20. सलोनी का निर्णय 97–98
सुधा गोयल

21. मोबाइल फोन–खतरे की आहट 99–102
डॉ. दुर्गादत्त ओझा

22. यह सच है 103
विजय कुमार सिंह

23. हिंदी सप्ताह–2022 के दौरान आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं में पुरस्कृत अधिकारियों/कर्मचारियों की नामावली 104–105

24. "सरकारी कामकाज (टिप्पण/आलेखन) मूलरूप से हिंदी में करने संबंधी प्रोत्साहन योजना" के अन्तर्गत पुरस्कृत अधिकारियों/कर्मचारियों की सूची 106

राष्ट्रीय जलविज्ञान संस्थान, रुड़की

अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें :–

निदेशक
राष्ट्रीय जलविज्ञान संस्थान
जलविज्ञान भवन
रुड़की–247 667 (उत्तराखण्ड)
फोन : 91-1332-272106
फैक्स : 91-1332-272123
ई–मेल : director.nihr@gov.in

National Institute of Hydrology
राष्ट्रीय जल विज्ञान संस्थान
आपो हिष्टा मयोभुवः